भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

बीछ्वाल, बीकानेर (राजस्थान) - 334006

फोन नं: 0151-2250960

संस्थान प्रक्षेत्र में खेजडी की कटाई-छटाई, लुंग एवं सुखी लकड़ी की खुली नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संस्थान प्रक्षेत्र में 500 नग खेजडी की कटाई-छटाई, लुंग एवं सूखी लकड़ी के इत्यादि की खुली नीलामी संस्थान के फार्म कार्यालय पर दिनांक **20.11.2018** को प्रात: **11.00** बजे आयोजित की जावेगी। खुली नीलामी में शामिल होने हेतु इच्छुक व्यकित रु.5000/- (रुपये पांच हजार मात्र) की बयाना राशि जमा करवाकर बोली लगा सकते है। इस संबंध में विस्तृत नियम एवं शर्ते संस्थान के प्रशासनिक कार्यालय एवं फार्म कार्यालय भवनों [10वें कि.मी. का पत्थर, श्री गंगानगर हाईवे, बीछ्वाल, बीकानेर] के सूचना पट्ट एवम संस्थान की वेब साइट www.ciah.ernet.in एवम CPP-NIC Portal पर उपलब्ध है। नीलामी में शामिल होने के इच्छुक व्यकित उक्त नीलामी के विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन अपनी बोली लगाने से पूर्व अवश्य कर लेवें। प्राप्त अधिकतम बोली स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार संस्थान के निदेशक महोदय के पास पूर्ण रुप से सुरक्षित रहेगा।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

संस्थान प्रक्षेत्र में 500 नग खेजडी की कटाई-छटाई लुंग एवं सुखी लकड़ी इत्यादि की खुली नीलामी सूचना (दिनांक .11.2018 को पूर्वान्ह 11.00 बजे) के विस्तृत नियम व शर्त:-

1. सब्जी प्रखण्ड खेजडी प्रखण्ड व संस्थान के मुख्य द्वार से द्वितीय द्वार के मध्य स्थित कलमी खेजडी के वृक्ष इस अनुबंध में सामिल नही होंगे|

2. लुंग,खेजड़ी की छड़ियो अनुबंधक की होगी, खेजड़ी की केवल पतली शाखाओ को ही काटना होगा | मोटी शाखाओ केओ काटना वर्जित होगा|

3. सुखी लकड़ी जहा एचएआई जैसी अवस्था है विक्रय करनी है |

4. उपरोक्त दोनों कार्य संस्थान कार्य दिवस में ही करना होगा (रविवार एवं अन्य राजकीय अवकाश में कार्य नही होगा) व सामान की निकासी गेट पास द्वारा (सुबह 10.00 बजे से शाम 05.00 बजे तक) की जायेगी

5. उपरोक्त कार्यों के लिए संस्थान द्वारा किसी भी प्रकार के संसाधन उपलब्ध नही करवाये जायेंगे।

6. संस्थान की संपत्ति पाइप लाइन, तार बंदी, पौधों ड्रीप प्रणाली व अन्य संसाधनो को अनुबंधक व उसके श्रमिकों द्वारा क्षतिग्रस्त करने पर भरपाइ अनुबंधक को करनी होगी।

7. संस्थान में कार्यरत बंदी श्रमिकों को उपरोक्त कार्य में अनुबंधक द्वारा नही लगाया जायेगा। यदी किसी भी स्तर पर इसका उल्लंघन किया जाता है, तो बयाना राशि जब्त कर ली जावेगी एवं ठेका निरस्त कर दिया जावेगा।

8. लुंग, खेजड़ी छडियां, को अनुसंधान प्रखण्डों से हटाकर अन्य रिक्त पडी भूमि पर एकत्र करना होगा। मुख्य सडकों के किनारे उपरोक्त सामग्री को एकत्र नही किया जायेगा।

9. प्राकृतिक आपदा, तेज आंधी, वर्षा, पाला पडना इत्यादी मौसमी परिस्थितियो से होने वाले नुकसान के लिए संस्थान उत्तरदायी नही होगा एवं किसी भी प्रकार की रियायत नही दी जायेगी।

10. नीलामी में भाग लेने के लिये प्रत्येक इच्छुक व्यकित को बयाना राशि के रुप में **रु.5000/- (रुपये पांच हजार मात्र)** जमा कराने होगें।

11. अधिकतम बोली दाता के हक में बोली छोडने या न छोडने का अधिकार संस्थान के सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा एवं उनका निर्णय अंतिम होगा।

12. जिस व्यकित के नामे से बोली स्वीकृत होगी, उसे स्वीकृत बोली की कुल राशि का एक तिहाई (33 प्रतिशत) मौके पर ही जमा कराना होगा। शेष दो तिहाई राशि संस्थान के बोली स्वीकार्य बाबत पत्र प्राप्त होने के तीन दिन के अंदर जमा करानी होगी। तत्पश्चात ही सफल बोली दाता को कार्य प्रारंभ करने से पूर्व अनुबंध (नोन जूडिशियल स्टाम्प पेपर पर) किया जायेगा एवं सक्षम अधिकारी स्वीकार करने पर ही कार्यादेश जारी किया जावेगा एव अनुबंधक कार्य शुरु करेगा।

13. सफल बोलीदाता द्वारा निर्धारित अवधि में बोली की संपूर्ण राशि जमा न कर पाने की अवस्था में उसके द्वारा जमा करायी गई बयाना राशि एवं बोली की एक तिहाई राशि संस्थान द्वारा जब्त कर ली जावेगी। साथ ही उसके पक्ष में स्वीकृत बोली को रद्द कर दिया जावेगा। इस स्थिति में दूसरी अधिकतम बोली दाता की बोली स्वीकार करने या पुन: नीलामी आयोजित करने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित रहेगा।

लगातार पृष्ठ सं.2 पर

14. ठेकेदार को यह सुनिश्चित करना होगा कि लकडियों लेते समय संस्थान की अन्य संपत्ति को किसी प्रकार की हानि नही पहुंचे। प्रक्षेत्र में आग जलाना प्रतिबंधित होगा। यदि किसी प्रकार का नुकसान होता है, तो इसकी भरपाई ठेकेदार को करनी होगी।

15. संस्थान में अनुबंध पत्र स्वीकार करने के पश्चात कटाई-छटाई से प्राप्त लकडियों को कार्यादेश जारी होने के एक माह में ले जाना होगा। तत्पश्चात अनुबंधक (ठेकेदार) का कोई हक उन लकडियों पर नही रहेगा। इस अवधि में लकडियों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व अनुबंधक (ठेकेदार) का ही होगा।

16. बोली की राशि पर लगने वाले सभी प्रकार के कर इत्यादि के भुगतान की पूर्ण जिम्मेदारी सफल बोलीदाता (ठेकेदार) की ही होगी एवं संस्थान किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगा।

17. लकडियॉ ले जाने हेतु भण्डारण रख-रखाव, परिवहन एवं अन्य किसी भी संबंधित कार्य हेतु संस्थान किसी भी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नही कराएगा।

18. लकडियॉ के कार्य संपादन हेतु लगाए जाने वाले श्रमिकों को मजदूरी के भुगतान एवं उनके प्रति सभी प्रकार के उत्तरदायित्वों के निर्वहन की पूर्ण जिम्मेदारी सफल बोलीदाता (अनुबंधक) की होगी एवं संस्थान किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगा।

19. सफल बोलीदाता (अनुबंधक) की बयाना राशि (Earnest Money) का पुर्नभुगतान (Refund) लकडियॉ को ले जाने का कार्य पूर्ण होने के पश्चात एवं प्रभारी फार्म द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र (No dues Certificatte) जारी करने पर किया जायेगा। इस हेतु अनुबंधक (ठेकेदार) को संस्थान द्वारा जारी मूल रसीद (TR-5) को आवेदन के साथ प्रस्तुत करनी होगी।

20. संस्थान के किसी भी अनुसंधान प्रखण्ड एवं संस्थान की अन्य संपत्ति. पाइप लाइन, तार बंदी, पौधों इत्यादि को अनुबंधक एवं उसके श्रमिकों द्वारा कोइ क्षति नही पहुचाइ जावेगी। यदी किसी प्रकार की क्षति होगी तो इस की भरपाई अनुबंधक से की जावेगी।

21. उपरोक्त कार्य हेतु संस्थान द्वारा किसी भी प्रकार के संसाधन उपलब्ध नही करवाये जायेगे।

22. उपरोक्त लकडियॉ अनुबंधक को संस्थान फार्म से जहॉ पडी है वहॉ से उठानी होगी।

(कुलदीप पान्डे)
सहायक प्रशासनिक अधिकारी